दैनिक भास्कर जींद भास्कर 22-02-2026

शहीद कैप्टन पवन के शौर्य एवं बलिदान को सलाम : डॉ. राजेश बंसल

जींद। सीआरएसयू में शहीद कैप्टन पवन की पुण्यतिथि के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। मौन रखकर उनके सर्वोच्च बलिदान को नमन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राजेश बंसल ने कहा कि शहीद कैप्टन पवन खटकड़ का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत है। उन्होंने राष्ट्र की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देकर यह सिद्ध किया कि देशभक्ति केवल शब्दों तक सीमित नहीं होती। वीसी के ओएसडी डॉ. विजय कुमार ने कहा कि शहीदों के बलिदान का पूरा राष्ट्र ऋणी है। इस अवसर पर वीसी के निजी सचिव सुरेश कुमार, कुलसचिव के पर्सनल असिस्टेंट अमित कुमार, डॉ. अतुल सहारण, राम मोहन, समरजीत कुमार, नवीन मलिक तथा सिक्योरिटी ऑफिसर सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

Jind Kesari
Feb 22, 2026
पंजाब केसरी

शहीद कैप्टन पवन के शौर्य एवं बलिदान को सलाम : डॉ. राजेश बंसल

सी.आर.एस.यू. में शहीद की पुण्यतिथि पर पुष्प अर्पित किए

जींद, 21 फरवरी (ललित) : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में शहीद कैप्टन पवन की पुण्यतिथि के अवसर पर शनिवार को विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई और मौन रखकर उनके सर्वोच्च बलिदान को नमन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राजेश बंसल ने कहा कि शहीद कैप्टन पवन खटकड़ का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है।

उन्होंने राष्ट्र की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देकर यह सिद्ध किया कि देशभक्ति केवल शब्दों तक सीमित नहीं होती बल्कि उसे कर्म और त्याग से सिद्ध किया जाता है। उनका अदम्य साहस, अनुशासन, कर्त्तव्यपरायणता और मातृभूमि प्रति अटूट निष्ठा हर युवा के लिए मार्गदर्शक है।

उन्होंने कहा कि आज के समय में युवाओं के सामने अनेक चुनौतियां हैं। परंतु यदि वे शहीदों के जीवन मूल्यों को अपनाएं जैसे ईमानदारी, समर्पण, परिश्रम और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखना वे न केवल अपने परिवार और समाज बल्कि पूरे देश का गौरव बढ़ा सकते हैं। विश्वविद्यालय परिवार का दायित्व है कि वह विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, सामाजिक उत्तरदायित्व और नैतिक मूल्यों की भावना को सुदृढ़ करें। यही शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

कुलगुरु के ओ.एस.डी. डॉ. विजय कुमार ने कहा कि शहीदों के बलिदान का पूरा राष्ट्र ऋणी है। कैप्टन पवन खटकड़ ने जिस वीरता, धैर्य और दृढ़ संकल्प के साथ अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन किया वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि जब राष्ट्र की सुरक्षा और सम्मान की बात आती है तो व्यक्तिगत सुख, सुविधाएं छोड़कर अपना सर्वस्व न्यौछावर कर देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि कैप्टन पवन खटकड़ का जीवन हमें नि:स्वार्थ सेवा, साहस और कर्त्तव्यनिष्ठा का संदेश देता है। इस अवसर पर कुलगुरु के निजी सचिव सुरेश कुमार, अमित कुमार, डॉ. अतुल सहारण, राम मोहन, समरजीत कुमार, नवीन मलिक सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

शहीद कैप्टन पवन को श्रद्धांजलि देते हुए।

अमर उजाला

Date-22.02.2026

शहीद कैप्टन पवन खटकड़ का जीवन प्रेरणास्रोत : डॉ. राजेश

शहीद कैप्टन पवन को श्रद्धांजलि देते लोग। स्रोत : विवि

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में शहीद कैप्टन पवन की पुण्यतिथि पर शनिवार को विश्वविद्यालय में उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई।

कुलसचिव डॉ. राजेश बंसल ने कहा कि शहीद कैप्टन पवन खटकड़ का जीवन प्रेरणास्रोत है। उन्होंने राष्ट्र की रक्षा के लिए प्राणों का बलिदान देकर यह सिद्ध किया कि देशभक्ति केवल शब्दों तक सीमित नही होती बल्कि उसे कर्म और त्याग से सिद्ध किया जाता है।

आज के समय में युवाओं के सामने कई चुनौतियां हैं लेकिन यदि वे शहीदों के जीवन मूल्यों को अपनाएं, जैसे ईमानदारी, समर्पण, परिश्रम और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखनाकृतो वे न केवल अपने परिवार और समाज बल्कि पूरे देश का गौरव बढ़ा सकते हैं। विश्वविद्यालय परिवार का दायित्व है कि वह विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, सामाजिक उत्तरदायित्व और नैतिक मूल्यों की भावना को सुदृढ़ करे। यही शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

कुलगुरु के ओएसडी डॉ. विजय कुमार ने कहा कि शहीदों के बलिदान का पूरा राष्ट्र ऋणी है। इस अवसर पर कुलगुरु के निजी सचिव सुरेश कुमार, अमित कुमार, डॉ. अतुल सहारण, राम मोहन, समरजीत कुमार, नवीन मलिक सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

दैनिक जागरण

Date-22.02.2026

संक्षिप्त समाचार

कैप्टन पवन के शौर्य व बलिदान को सलाम : डा. राजेश

सीआरएसयू में बलिदानी कैप्टन पवन कुमार की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए विद्यार्थी व स्टाफ सदस्य। ● सौजन्य सीआरएसयू

जासं ● जींद : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में बलिदानी कैप्टन पवन की पुण्यतिथि के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। रजिस्ट्रार डा. राजेश बंसल ने कहा कि बलिदानी कैप्टन पवन खटकड़ का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत है। उन्होंने राष्ट्र की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देकर यह सिद्ध किया कि देशभक्ति केवल शब्दों तक सीमित नहीं होती, बल्कि उसे कर्म और त्याग से सिद्ध किया जाता है। उन्होंने कहा कि आज के समय में युवाओं के सामने अनेक चुनौतियां हैं, परंतु यदि वे बलिदानियों के जीवन मूल्यों को अपनाएं जैसे ईमानदारी, समर्पण, परिश्रम और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखना तो वे न केवल अपने परिवार और समाज, बल्कि पूरे देश का गौरव बढ़ा सकते हैं। विश्वविद्यालय परिवार का दायित्व है कि वह विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, सामाजिक उत्तरदायित्व और नैतिक मूल्यों की भावना को सुदृढ़ करे। इस अवसर पर डा. विजय कुमार, सुरेश, अमित, डा. अतुल सहारण, राममोहन, समरजीत और नवीन मलिक भी मौजूद रहे।

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Jind - 22 Feb 2026 - Page 2

वीवी में शहीद कैप्टन पवन की पुण्यतिथि पर पुष्प अर्पित किए

शहीद कै.पवन के बलिदान को किया सलाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में शहीद कैप्टन पवन की पुण्यतिथि के अवसर पर शनिवार को विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई और मौन रखकर उनके सर्वोच्च बलिदान को नमन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. राजेश बंसल ने अपने संबोधन में कहा कि शहीद कैप्टन पवन खटकड़ का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने राष्ट्र की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देकर यह सिद्ध किया कि देशभक्ति केवल शब्दों तक सीमित नही होती बल्कि उसे कर्म और त्याग से सिद्ध किया जाता है। उनका अदम्य साहस, अनुशासन, कर्तव्यपरायणता और मातृभूमि के प्रति अटूट निष्ठा हर युवा के लिए मार्गदर्शक है। उन्होंने आगे कहा कि आज के समय में युवाओं के सामने अनेक चुनौतियां हैं। परंतु यदि वे शहीदों के जीवन मूल्यों को अपनाएं, जैसे ईमानदारी, समर्पण, परिश्रम और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखनाकृतो वे न केवल अपने परिवार और समाज बल्कि पूरे देश का गौरव बढ़ा सकते हैं। विश्वविद्यालय परिवार का दायित्व है कि वह विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, सामाजिक उत्तरदायित्व और नैतिक मूल्यों की भावना को सुदृढ़ करे। यही शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कुलगुरु के ओएसडी डा. विजय कुमार ने कहा कि शहीदों के बलिदान का पूरा राष्ट्र ऋणी है।

जींद। शहीद कैप्टन पवन को श्रद्धांजलि देते हुए। फोटो:हरिभूमि

ये रहे मौजूद

कैप्टन पवन खटकड़ ने जिस वीरता, धैर्य और दृढ़ संकल्प के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि जब राष्ट्र की सुरक्षा और सम्मान की बात आती है तो व्यक्तिगत सुख, सुविधाएं छोड़ कर अपना सर्वस्व न्योछावर कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि कैप्टन पवन खटकड़ का जीवन हमें निस्वार्थ सेवा, साहस और कर्तव्यनिष्ठा का संदेश देता है। इस अवसर पर कुलगुरु के निजी सचिव सुरेश कुमार, अमित कुमार, डा. अतुल सहारण, राम मोहन, समरजीत कुमार, नवीन मलिक सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

शहीद कैप्टन पवन खटकड़ के शौर्य को किया नमन

'जीवन में राष्ट्रहित जैसे मूल्यों को अपनाएं युवा'

जींद सीआरएसयू में शनिवार को शहीद कैप्टन पवन खटकड़ को नमन करते विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारी। -हप्र

जींद (जुलाना), 21 फरवरी (हप्र)

शहीद कैप्टन पवन खटकड़ की पुण्यतिथि पर चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय (सीआरएसयू) में शनिवार को उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। अधिकारियों, कर्मचारियों और शिक्षकों ने दो मिनट का मौन रखकर उनके सर्वोच्च बलिदान को नमन किया।

इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राजेश बंसल ने कहा कि शहीद कैप्टन पवन खटकड़ का जीवन प्रत्येक युवा के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने राष्ट्र रक्षा हेतु अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देकर यह सिद्ध किया कि देशभक्ति केवल शब्दों में नहीं, बल्कि कर्म और त्याग में परिलक्षित होती है। उनका साहस, अनुशासन, कर्तव्यपरायणता और मातृभूमि के प्रति अटूट निष्ठा आज की पीढ़ी के लिए पथ प्रदर्शक है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे ईमानदारी, समर्पण, परिश्रम और राष्ट्रहित जैसे मूल्यों को अपने जीवन में अपनाकर परिवार, समाज और देश का गौरव बढ़ाएं। विश्वविद्यालय परिवार का दायित्व है कि विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, सामाजिक उत्तरदायित्व और नैतिक मूल्यों की भावना को सुदृढ़ किया जाए, यही शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

कुलगुरु प्रो. रामपाल सैनी के ओएसडी डॉ. विजय कुमार ने कहा कि शहीदों के बलिदान का पूरा राष्ट्र ऋणी है। कैप्टन पवन खटकड़ ने वीरता, धैर्य और दृढ़ संकल्प के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय केवल शैक्षणिक ज्ञान का केंद्र नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण की प्रयोगशाला है। विद्यार्थियों में ऐसा दृष्टिकोण विकसित करना चाहिए जिससे वे अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग समाज व राष्ट्रहित में कर सकें। कार्यक्रम में सुरेश कुमार, अमित कुमार, डॉ. अतुल सहारण, राम मोहन, समरजीत कुमार, नवीन सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।